3 Aug ICFAI University Academic Council approves updation of programs and courses for 2021-22

रांची, बुधवार
04.08.2021 | प्रभात खबर | 03

एकेडमिक काउंसिल ने नये कोर्स को दी स्वीकृति

रांची. इक्फाइ विवि एकेडमिक काउंसिल ने मंगलवार को सत्र 2021-22 के लिए नये कोर्स को स्वीकृति प्रदान की है. कुलपति प्रो ओआरएस राव के अनुसार, काउंसिल ने बीसीए, बीटेक और एमसीए जैसे आइटी कार्यक्रम में एज कंप्यूटिंग, डीप लर्निंग, कंप्यूटर गेमिंग, सर्च इंजन, ऑप्टिमाइजेशन और साइबर सिक्यूरिटी जैसे नये कोर्स की स्वीकृति दी है. कुलपति ने कहा कि बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल वाहनों के डिजाइन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी उन्नत उत्पादन तकनीक पर ध्यान दिया जायेगा. खनन शाखा में बीटेक और पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए कंप्यूटर एडेड माइन प्लानिंग और माइन सिस्टम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्र पर जोर दिया जायेगा. बिजनेस एनालिटिक्स को बीबीए और एमबीए कार्यक्रम में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जा रहा है. लॉ कोर्स में खनन लॉ को शामिल किया गया है. मौके पर आइआइटी खड़गपुर के पूर्व डीन सह केएल विवि के पूर्व कुलपति डॉ जीएल दत्ता सहित रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार मौजूद थे.

इक्फाइ विवि

राष्ट्रीय सागर
रांची
बुधवार, 4 अगस्त 2021
12
web: rashtriyasagar.com

इक्फाई विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद ने 2021-22 के पाठ्यक्रमों के अद्यतनीकरण को मंजूरी दी

राष्ट्रीय सागर संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड की 25वीं अकादमिक परिषद की बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों के कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम संरचना की समीक्षा की गई और शैक्षणिक परिषद द्वारा 2021-22 शैक्षणिक वर्ष के लिए इनको को मंजूरी दी गई। बैठक में अकादमिक परिषद के सदस्यों के अलावा, प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, आईटी और कानून विभाग के प्रमुखों ने भी भाग लिया।

इस बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति की सराहना करते हुए, डॉ जीएल दत्ता, अकादमिक परिषद के सदस्य और पूर्व डीन, आईआईटी, खड़गपुर और पूर्व कुलपति, केएल विश्वविद्यालय ने कहा, हमुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि कोविद-19 महामारी के बावजूद, विश्वविद्यालय ने अकादमिक वितरण, अनुसंधान और उद्योग-अकादमिक इंटरफेस में पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट चौतरफा प्रगति की है। टाइम्स हायर एजुकेशन, यूके जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों से विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त रैंकिंग और उत्कृष्ट कैंपस प्लेसमेंट विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की दर्शता है।

इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड के कुलपति, प्रोफेसर ओ आर एस राव ने चर्चा के परिणामों की जानकारी देते हुए कहा, हहमारे विश्वविद्यालय के स्वाध्याय डिजिटल लर्निंग सिस्टम के सफल कार्यान्वयन ने हमारे छात्रों को कोविद स्थिति के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जारी रखने में मदद की।ह्व अकादमिक परिषद ने बीसीए, बीटेक (कंप्यूटर साइंस) और एमसीए जैसे आईटी कार्यक्रमों में एज कंप्यूटिंग, डीप लर्निंग, कंप्यूटर गेमिंग, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन और साइबर सिक्योरिटी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत को मंजूरी दी। इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स सेक्टर में रोजगार के विशाल अवसरों को देखते हुए, बीटेक-मैकेनिकल इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल वाहनों के डिजाइन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी उन्नत उत्पादन तकनीकों पर बहुत ध्यान दिया जाएगा। प्रो राव ने कहा की खनन क्षेत्र के स्वचालन में प्रगति को ध्यान में रखते हुए, हम खनन शाखा में हमारे बीटेक और पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर एडेड माइन प्लानिंग और माइन सिस्टम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों पर बहुत जोर देंगे। प्रबंधन और कानून कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हबिजनेस एनालिटिक्स को बीबीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जा रहा है। झारखंड में नौकरी/अभ्यास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए खनन कानून हमारे लॉ कोर्स (बीबीए-एलएलबी और एलएलबी) के लिए एक नया विकल्प होगा। छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए, रजिस्ट्रार प्रोफेसर अरविंद कुमार ने कहा, 'हमारे छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए, उन्हें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एनसीडीईएक्स आदि जैसे निकायों से उद्योग प्रमाणपत्रों के माध्यम से जाना होगा। इसके अलावा, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और दक्षताओं पर इस वर्ष एक कोर्स लाया जा रहा है'।

Morning India
www.sanmarglive.com
03 Ranchi, Wednesday
4 August 2021

इक्फाई विवि अकादमिक परिषद ने 2021-22 के पाठ्यक्रमों के अद्यतनीकरण को मंजूरी दी

संवाददाता

रांची : इक्फाई विश्वविद्यालय, झारखंड की 25वीं अकादमिक परिषद की बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों के कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम संरचना की समीक्षा की गई। शैक्षणिक परिषद द्वारा 2021-22 शैक्षणिक वर्ष के लिए इनको मंजूरी दी गई। बैठक में अकादमिक परिषद के सदस्यों के अलावा, प्रबंधन, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, आईटी व कानून विभाग के प्रमुखों ने भी भाग लिया। बैठक में विश्वविद्यालय द्वारा की गई प्रगति की सराहना करते हुए, डॉ जीएल दत्ता, अकादमिक परिषद के सदस्य व पूर्व डीन, आईआईटी, खड़गपुर व पूर्व कुलपति, केएल विश्वविद्यालय ने कहा, मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि कोविड-19 महामारी के बावजूद, विश्वविद्यालय ने अकादमिक वितरण, अनुसंधान और उद्योग-

अकादमिक इंटरफेस में पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट चौतरफा प्रगति की है। टाइम्स हायर एजुकेशन, यूके जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संगठनों से विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त रैंकिंग और उत्कृष्ट कैंपस प्लेसमेंट विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की दर्शाता है। इक्फाई विवि के कुलपति, प्रो ओआरएस राव ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय के स्वाध्याय डिजिटल लर्निंग सिस्टम के सफल कार्यान्वयन ने हमारे छात्रों को कोविड स्थिति के बावजूद गुणवत्तापूर्ण शिक्षा जारी रखने में मदद की। अकादमिक परिषद ने बीसीए, बीटेक (कंप्यूटर साइंस) और एमसीए जैसे आईटी कार्यक्रमों में एज कंप्यूटिंग, डीप लर्निंग, कंप्यूटर गेमिंग, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन और साइबर सिक्योरिटी जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में नए पाठ्यक्रमों की शुरूआत को मंजूरी दी। इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स सेक्टर में रोजगार के विशाल अवसरों को देखते हुए, बीटेक-मैकेनिकल इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिकल वाहनों के डिजाइन, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी उन्नत उत्पादन तकनीकों पर बहुत ध्यान दिया जायेगा। प्रो राव ने कहा कि खनन क्षेत्र के स्वचालन में प्रगति को ध्यान में रखते हुए, हम खनन शाखा में हमारे बीटेक और पॉलिटेक्निक डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए कंप्यूटर एडेड माइन प्लानिंग और माइन सिस्टम इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों पर बहुत जोर देंगे। प्रबंधन और कानून कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बिजनेस एनालिटिक्स को बीबीए और एमबीए कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम के रूप में पेश किया जा रहा है। रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने कहा हमारे छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए, उन्हें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, एनसीडीईएक्स आदि जैसे निकायों से उद्योग प्रमाणपत्रों के माध्यम से जाना होगा। इसके अलावा, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और दक्षताओं पर इस वर्ष एक कोर्स लाया जा रहा है।

Thu, 05 August 2021
https://epaper.sanmarglive.com/c/62272733

ICFAI UNIVERSITY ACADEMIC COUNCIL APPROVES UPDATION OF PROGRAMS AND COURSES FOR 2021-22

During the 25th Academic Council Meeting, program structures and course structures of all the programs of the University were reviewed and upgradations and updations for 2021-22 academic year were approved by the Academic Council. Besides members of the Academic Council, Heads of Departments of Management, Science and Technology, IT and Law also participated in the meeting. Appreciating the progress made by the University, Dr G L Datta, Member of the Academic Council and former Dean, IIT, Kharagpur and former Vice-Chancellor, K L University said, "I am delighted to note that despite COVID-19 pandemic, the University made excellent all-round progress during last academic year, in academic delivery, research and industry-academia interface. Rankings received by the University from reputed internal organisations like Times Higher Education, UK and excellent campus placements bear testimony to the achievements of the University" Briefing the outcome of the discussions, Prof O R S Rao, Vice-Chancellor, ICFAI University, Jharkhand said, "Our University's successful implementation of Swaadhyay Digital Learning System helped our students to continue quality education, despite COVID situation." "Our Academic Council approved introduction of new courses in emerging technologies like Edge Computing, Deep Learning, Computer Gaming, Search Engine Optimisation and Cyber Security in IT programs like BCA, BTech (Computer Science) and MCA.